

फौनेइ ज़ादा ना देखौ



Bangani

फौनेइ ज़ादा ना देखौ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

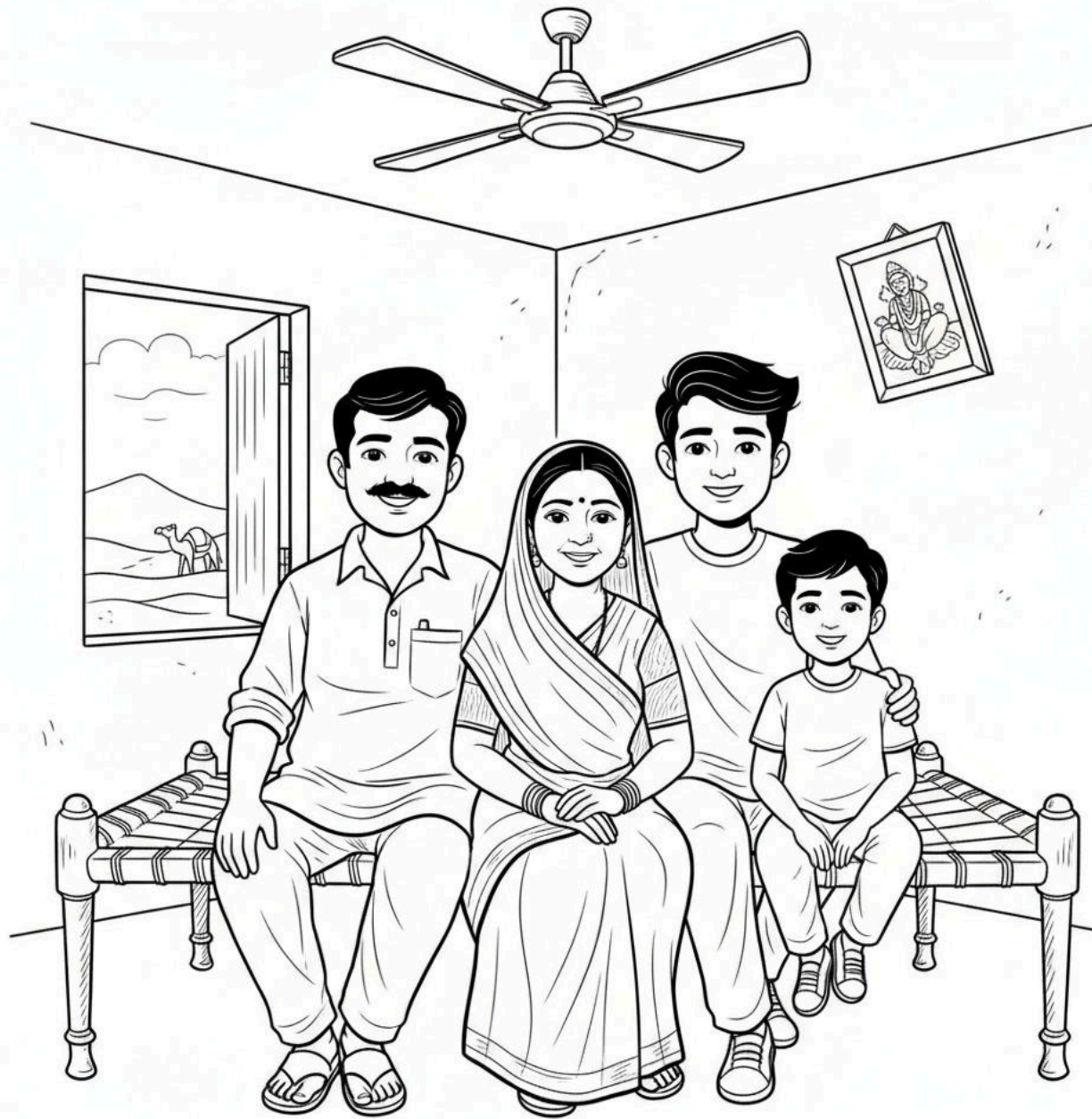
Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

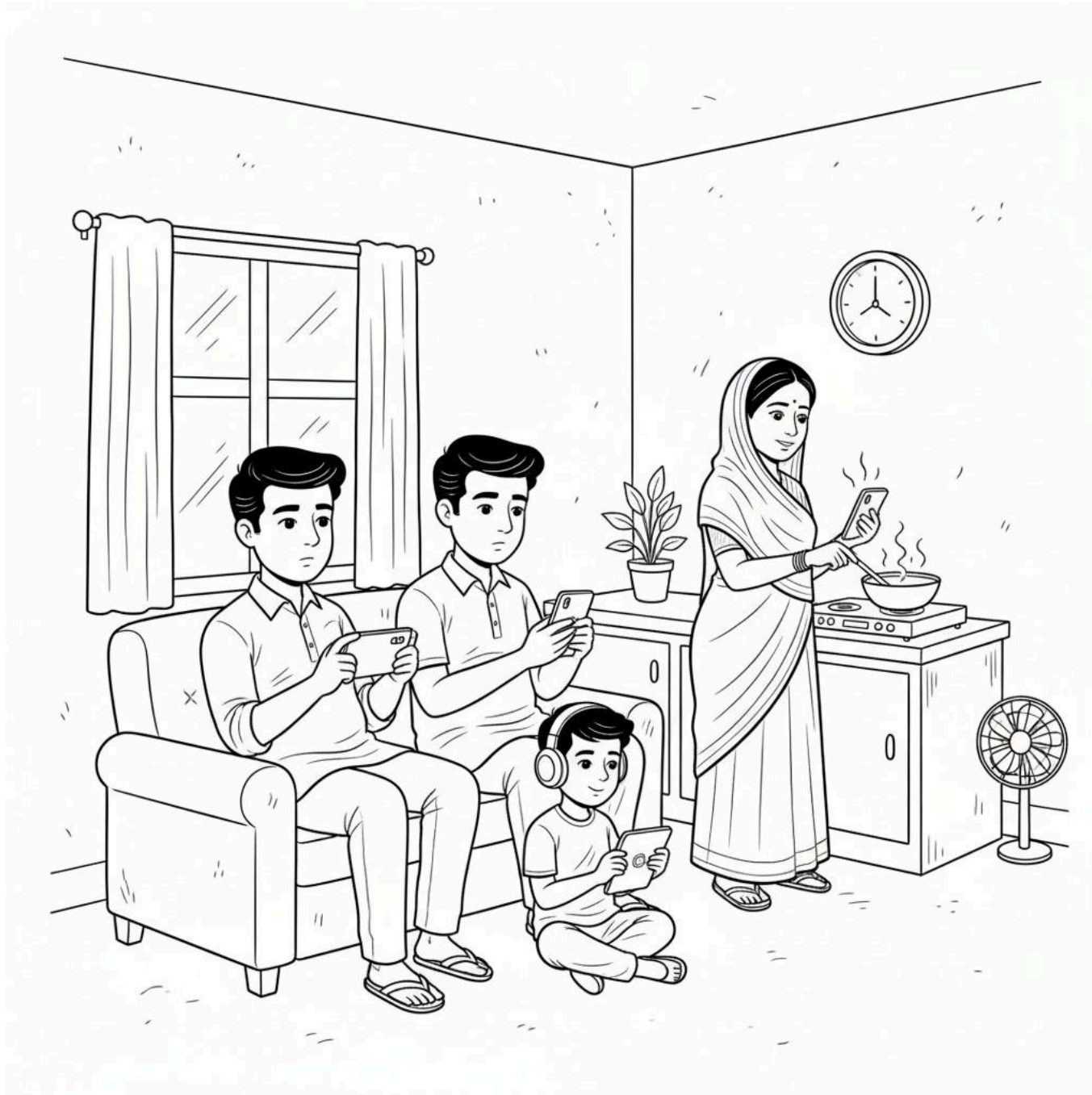
दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



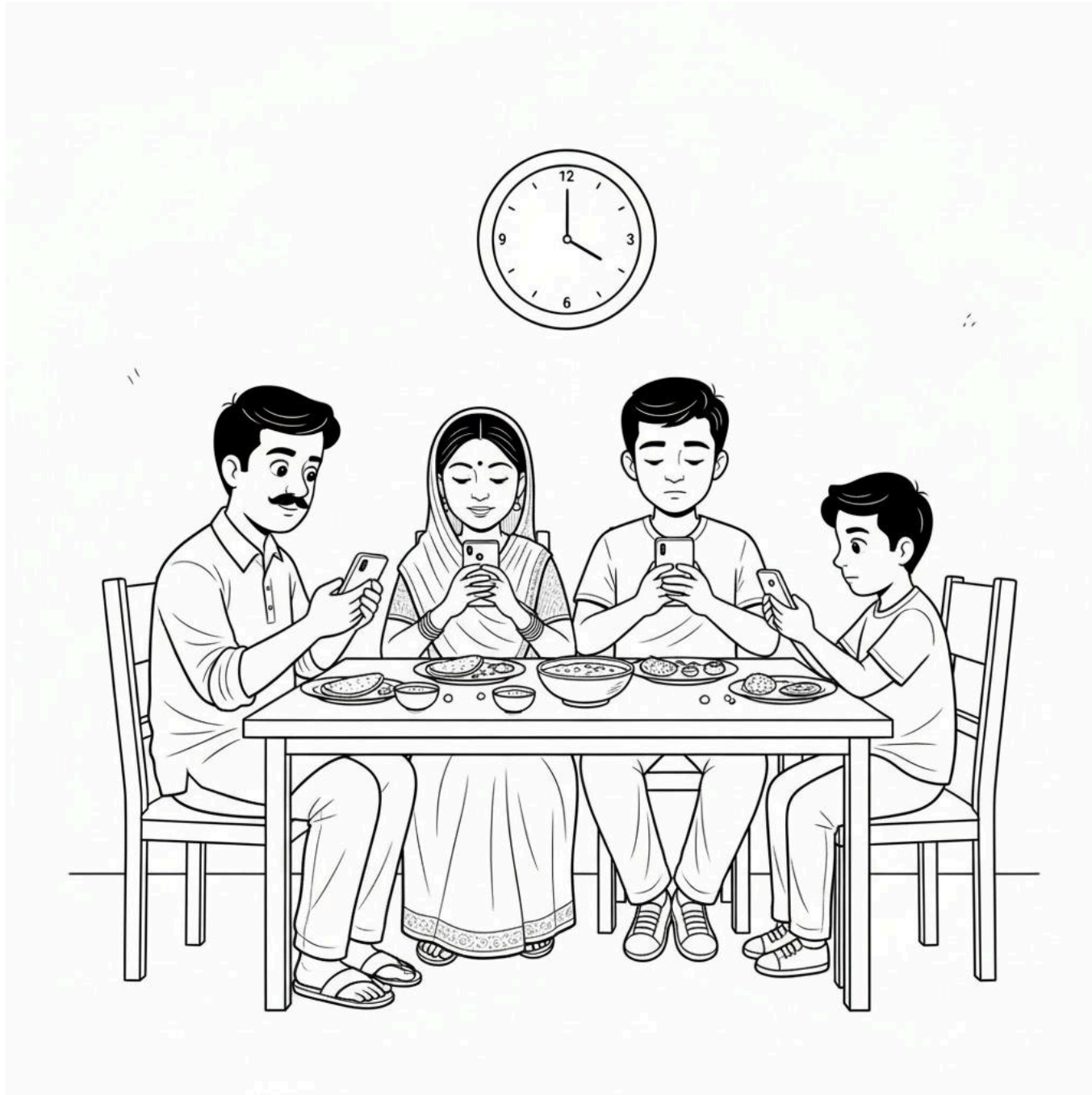
एक गाउँ दि रोशन आपड़े पौरिबार रै
साथै रौयै थौ, तेसरै दुइ बेटा थै, तिउँरौ
नौऊँ आर्यन औज़ि रोहन थौ।



सै सारै जौणै एकाइ गौरेदि शान्ति कौइ
रौयैण थै। औज़ि तिउँरै पौरिबार वाळौउं
कै सारिउं कै आपड़ौ आपड़ौ फौन थौ।
सै फौन दि बुशै, गैम औज़ि बीडियो
देखैण थै।



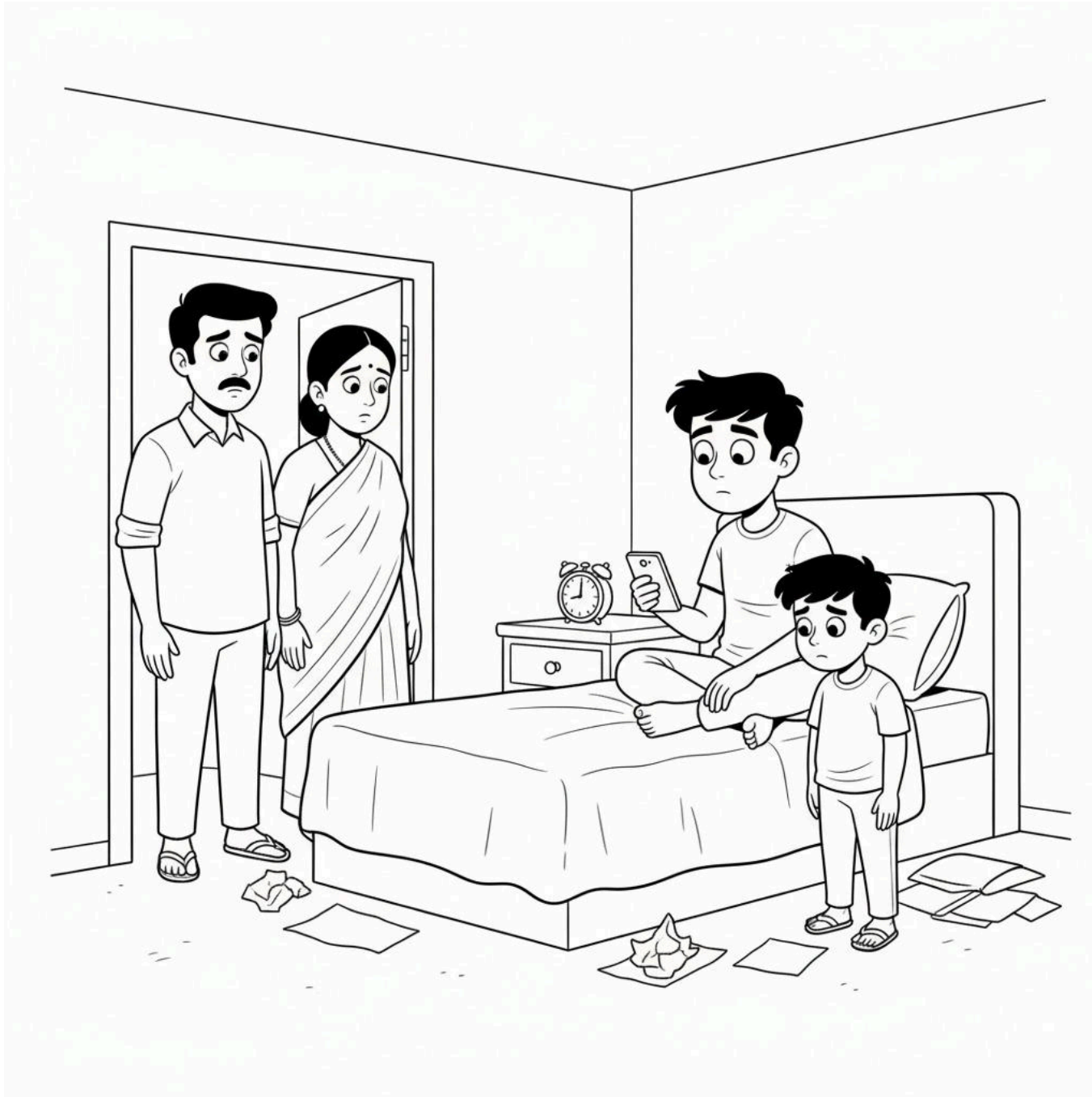
औगौणिकै तै तिउंके सेउ फौन बौड़िया
औज़ि आसान लागौ चौलाणे खि।
आर्यन फौन दि गैम खेलै थौ। औज़ि
रोहन कार्टुन देखै थौ।



तिंउँरै आमा पापा बी हर बौक्ते दि फौन
देखैण थै, औज़ि फौन तिउं सारिउं रौ
फैबरेट बौणि गोऔ थौ, सै आपास माइं
बुशै ना लाण थै।



औज़ि आर्यन रातिखि बौरी मेसै ज़ौउं
फौन दि औरकुछ बीडियो देखै थौ।
एज़ि बौज़ै कौइ सेउ पौड़ाइ दि बौरी
कमज़ोर उइ गोऔ थौ।



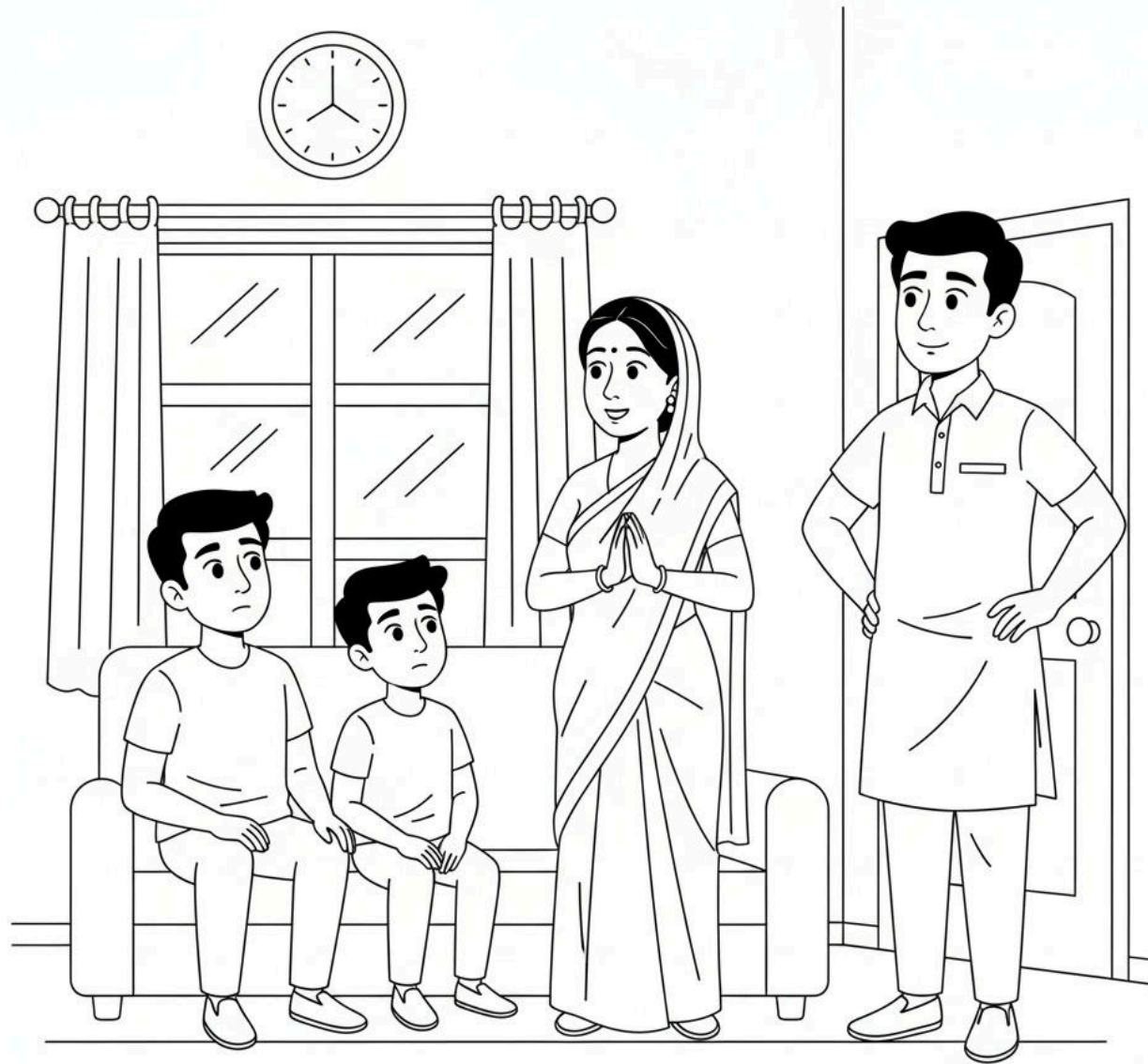
आर्यन बौरी चिड़चिड़ौ औज़ि उदास
रौन्दै लागौ। सेउ आपड़े आमा पापा
औज़ि आपड़ौ बाई आरी बौरी कम बुशै
लायै थौ। औज़ि पौरिबार वाळौउं कै बी
तेसरौ दुर रौणौ बौरी मैसूस औयै थौ।



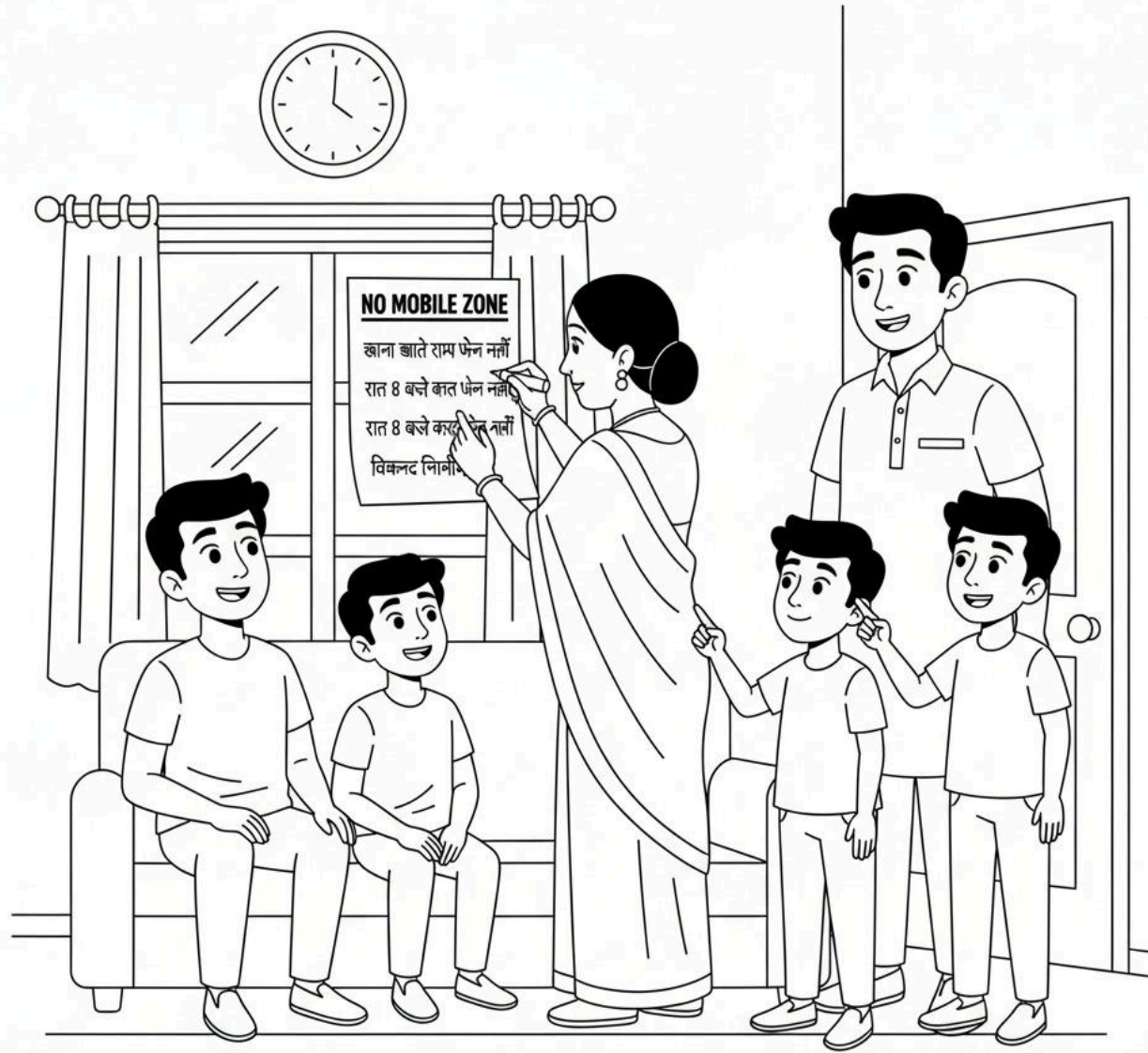
रोहन बी बौदलुन्दै लागौ । सेउ नाशतौ
कौरदु बैरै बी फौन देखै थौ । औज़ि सेउ
आपड़ै दोस्तु रै साथै खेल्लै बी ना डै
थौ । एज़ि बौज़ै कौइ तेसरौ मुंड औज़ि
पेट दुखदै लागौ ।



तिउँरै आमा पापाइ देखौ कि इउँ
दुइयाउँ दि का उवौ, सै सारै जौणै चुप
रौयै। औगौणिकै रौ औस्दौ खेलदौ
पौरिबार ऐबै उदास रौन्दै लागौ।



रोशन री छेउड़िएइ गौरकै सारिउं आरी
बोलौ कि तुमै सारै ज़ौणै रोशनेइ लायै
औटाइ, कि आमुं ऐबै फौन रौ इस्तेमाल
कम जा कौरणै । तिउं सारिउं एज़ि
बुशै मानी ।



तिंउं सारिउं एक नौ नियम चाणौ “
ज़ादा फौन ना देखि लै। खाणौ खान्दु बैरै
औज़ि सुतदु बैरै फोनेइ ना देखि लै।
औज़ि आमै सारै जौणै एक दुजै रै साथै
बौड़िया कौइ बुशै लाईण।



औगौणिकै तै एज़ौ नियम मानणौ बौरी
कौठिन रौ थौ लागी। आर्यनेइ बौरी रेश
लागौ औज़ि रोहन लेरदै लागौ। औज़ि
तिउंके बी आपड़ौ चाणौन्दौ नियम बी
बौरी कठिन लागौ।



आराम आराम कौइ तिउं री आदत खेल
औज़ि कांऽणिउं शुणने दि औन्दि लागी।
तैबै आर्यन बी खुलियौ बुशै लान्दै
लागौ। औज़ि रोहन रौ स्वस्थ बी ठीक
औन्दै लागौ। तेतबासियै तिउंरौ पुरौ
पौरिबार औस्दै खेल्लै लागौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....,धन्यवाद,.....

